

Banking Group and Corporate Banking Group and International Banking Group also, resulting in YoY growth of :

- i) Income : 34.17%
  - ii) Rated premium : 27%
  - iii) Renewal Business : 82%
  - iv) Number of lives : 48% (12.52 lacs - covered New Business)
- b) A Micro Insurance Product "Grameen Shakti scheme for SHGs" was introduced in Andhra Pradesh, Maharashtra, Orissa, Tamil Nadu and West Bengal. Total lives covered: 8.25 lacs.
- c) The Bank introduced an omnibus credit protection product "Dhanraksha Plus" covering all personal loans including Home Loans and Auto Loans.
- d) Health insurance product covering nine critical illnesses named 'Criti 9' was introduced in Bangalore Circle on a pilot basis.

#### **Mutual Funds:**

An amount of Rs.23,628.31 crores was mobilised through our branches for investment in mutual funds, recording a YoY growth of 66%.

#### **Mutual Funds - Miscellaneous**

##### **MF-Training Initiatives:**

There has been a significant increase in the number of AMFI certified employees and Certified Insurance Facilitators as a result of training and skill upgradation initiatives undertaken by the Bank.

## **G. CORPORATE STRATEGIES & NEW BUSINESS**

The New Businesses Department was created to formulate strategies for new businesses, incubate new business initiatives, pilot the same and on stabilization, handover to the concerned Business Group. Various new businesses like Pension Fund Management, General Insurance, Private Equity, Financial Planning & Advisory Services (FP&AS), Custodial Services, Payment Solutions, Depository Participant Services and Online trading have been initiated by the department. The status of initiatives is as follows:

#### **Financial Planning & Advisory Services (FP&AS)**

- Financial Planning and Advisory Services initiative is focussed on strengthening the relationship of the Bank with Vishesh and High

Net-worth Individual (HNI) customers (existing as well as new) by providing a range of services for managing and growing their wealth.

- 1135 Relationship Managers (RMs/CREs-PB) have been provided basic training in Financial Planning and second level of training has been imparted for 181 RMs PB.
- The Financial Planning and Wealth Management software has gone live on 02/03/2009 and the FP&AS have been rolled out in 502 branches as on 31/03/2009. The RMs PB and the Customer Relation Executives (CREs-PB) in these branches will not only help the Vishesh and HNI Customers in managing their assets through a mix of products and strategies but will also advise them for optimally meeting their needs of protection, investment in various classes of assets through investment planning, tax planning, retirement and real estate plans. This initiative will add enormous value to our offerings and increase customer stickiness, especially in the retail segment.
- Demat Services and eZ-trade@sbi (Online Trading) services are now available at more than 1500 branches across India. In FY 2008-09, the Bank has introduced several customer friendly features in our demat accounts like digitally signed email statements and SMS alerts on select demat account transactions. Features such as Online instructions for securities transfer and pledge/unpledge, search ISINs, view Transaction Status, view Settlement Calendar and order delivery instruction booklet online are available through [www.onlinesbi.com](http://www.onlinesbi.com). Our objective for the next financial year is to extend our reach to as many centres as possible while continuously honing our products by adding more value added features.

#### **Custodial Services**

- India's attractiveness as a destination for investments is continuously on the increase and handling securities and providing full range of custodial services to the Foreign Institutional Investors as well as to the domestic investors offers great potential.
- The Bank has entered into a Joint Venture (JV) Agreement with Societe Generale Securities Services (SGSS) on June 05, 2008 for starting the Custodial Services business. SBI Custodial Services Pvt. Ltd. has been incorporated initially



एसजीएसएस शुरू करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। सेबी से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद, इस कंपनी को एक संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में परिवर्तित कर दिया जाएगा जिसमें भारतीय स्टेट बैंक की 65 प्रतिशत अंशधारिता और शेष अंशधारिता एसजीएसएस के पास होगी।

- हमारे संयुक्त उद्यम के ग्राहकों में मुख्य रूप से विदेशी संस्थात्मक निवेशक, देशीय संस्थात्मक निवेशक, म्यूचुअल फण्ड, पेंशन फण्ड आदि शामिल होंगे। व्यवसाय योजना में तीन वर्षों में देशीय एवं वैश्विक अभिरक्षा सेवाओं में 8-10 प्रतिशत बाजार अंश की परिकल्पना की गई है।
- कंपनी द्वारा अपना व्यवसाय वित्तीय वर्ष 2009-10 में शीघ्र शुरू किए जाने की संभावना है।

#### साधारण बीमा

- एसबीआइ लाइफ संरक्षण सेवाओं के अंतर्गत आंशिक सेवाएं प्रदान कर रही है। साधारण बीमा उत्पादों के समाहित हो जाने से बीमा मंजूषा पूर्ण हो जाएगी। इससे हमारे व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से ग्राहकों को मूल्यवर्धित सेवाएँ प्रदान करने की क्षमता में वृद्धि होगी और बैंक की छवि निखरेगी।
- इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए बैंक ने संयुक्त उद्यम के माध्यम से साधारण बीमा व्यवसाय में प्रवेश करने का निर्णय लिया है। बैंक का साधारण बीमा व्यवसाय में प्रवेश करने का मुख्य कारण बैंकएश्योरेंस चैनल को सशक्त बनाना है। हमारा उद्देश्य समूह व्यवसाय की मूल्यवर्धित उत्पादों से लाभ उठाना और उसे सशक्त बनाना, और साधारण बीमा व्यवसाय के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्टेट बैंक समूह को स्थापित करना है।
- इश्योरेंस आस्ट्रेलिया ग्रुप (आइएजी) के साथ 24 नवंबर 2008 को एक संयुक्त उद्यम करार किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद हमने एसबीआइ साधारण बीमा कं. लि. के नाम से एक अनुषंगी निगमित की है। इस समय कंपनी बीमा व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया में है। हमें आशा है कि नई अनुषंगी का यह व्यवसाय वर्ष 2009-10 की तीसरी तिमाही में शुरू हो जाएगा।

#### प्राइवेट ईक्विटी

- वैकल्पिक आस्ति श्रेणी के रूप में प्राइवेट ईक्विटी के बढ़ते हुए महत्व और इससे होने वाले आकर्षक प्रतिफल को देखते हुए, बैंक ने इस क्षेत्र में प्रवेश करने का निर्णय लिया है और इस संबंध में आगे की कार्रवाई की गई है।
- मैकेरी बैंक ऑफ आस्ट्रेलिया और आइएफसी वाशिंगटन के सहयोग से एक इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड की स्थापना की गई है जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड क्षेत्र में निवेश करना है। इस निधि के परिचालन हेतु सभी आवश्यक विनियामक अनुमोदन प्राप्त हो गए हैं। प्रायोजकों सहित बड़े एवं प्रतिष्ठित

अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से एक बिलियन अमरीकी डालर से अधिक संगृहीत हो गए हैं।

- बैंक द्वारा ओमान में स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से एक सामान्य प्रयोजन वाली निजी ईक्विटी निधि स्थापित करने के लिए आरंभिक कार्रवाई की जा रही है। भारत सरकार ने कतर में इसी तरह की स्थानीय निधि के लिए बैंक को एक परिचालन एजेंसी नामित किया है। अन्य कई निधियों की स्थापना के लिए अलग अलग स्तरों पर कार्रवाई चल रही है। बैंक द्वारा शुरू की गई निधियों में से कुछ निधियों का परिचालन प्रारंभ होने वाला है और आने वाले वर्षों में बैंक इस संभावनाशील क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

#### भुगतान समाधान व्यवसाय समूह

##### मोबाइल बैंकिंग सेवाएं

- मोबाइल बैंकिंग सेवाएं (एमबीएस) बैंकिंग का सुविधाजनक, प्रयोक्ता अनुकूल, सुरक्षित एवं किफायती माध्यम है। भारतीय रिजर्व बैंक से अनुमोदन मिलने के बाद एमबीएस शुरू की गई है। एसएमएस और जीपीआरएस सुविधाओं से युक्त अप्लिकेशन आधारित यह सेवा ग्राहकों को उपलब्ध कराई गई है। यह सेवा जीपीआरएस कनेक्टिविटी रखने वाले सभी मोबाइलों के लिए डब्ल्यूपी पर भी उपलब्ध है। एमबीएस हमारी सभी ग्रामेतर शाखाओं में शुरू की गई है। यह उत्पाद बाजार में उपलब्ध उत्पादों में सर्वश्रेष्ठ है।

#### साथ-साथ सकल भुगतान (आरटीजीएस) और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण (एनईएफटी)

बैंक आरटीजीएस और एनईएफटी चैनलों के माध्यम से अंतर-बैंक भुगतानों पर बल दे रहा है। हमारे निरंतर प्रयासों के कारण, बैंक में आवक एवं जावक आरटीजीएस और एनईएफटी के माध्यम से धन प्रेषणों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आरटीजीएस/एनईएफटी दोनों धनप्रेषण सुविधाएं इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से उपलब्ध हैं और एनईएफटी मोबाइल बैंकिंग पर भी उपलब्ध है। हम अन्य कारपोरेटों/सरकारी विभागों को एनईएफटी का उपयोग करने के लिए प्रेरित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि वे अपने कर्मचारियों/विक्रेताओं को इनके माध्यम से भुगतान करें।

#### डेबिट कार्ड

बिक्री केन्द्र टर्मिनलों पर डेबिट कार्डों के प्रयोग को बैंक प्रोत्साहित करता रहा है। बिक्री केन्द्रों पर लेनदेनों की दैनिक औसत संख्या में कई गुणा वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में बैंक के डेबिट कार्डों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए गठजोड़ लॉयल्टी कार्यक्रम आदि जैसे अनेक प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं।

#### भुगतान समाधान व्यवसाय का समेकन

बैंक भुगतान संबंधी अपने विभिन्न व्यवसायों के लिए संगठनात्मक पुनर्संरचना करने और यदि आवश्यक हुआ, तो आइटी गठजोड़



as a 100% subsidiary of the Bank and RBI approval for inducting SGSS as a JV partner has been obtained. After receipt of approval from SEBI, the company would be converted into a JV Company with SBI holding 65% of the equity and the balance held by SGSS.

- The Clients of our JV would mainly comprise FIIs, Domestic FIs, Mutual Funds, Pension Funds etc. The Business plan envisages a 8-10 % market share in domestic and global custody in 3 years. The Company is expected to commence its operations early in the financial year 2009-10.

#### **General Insurance**

- While SBI Life is meeting a part of the requirements under Protection Services, the insurance offering bouquet will be complete with the inclusion of General Insurance products, greatly enhancing the customer value proposition at our vast branch network and enhancing the brand value of the Bank.
- With this end in view, the Bank has decided to enter into the General Insurance business through the joint venture route. The main reason for the Bank's foray into General Insurance business is to leverage the Bancassurance channel. We aim to capture and leverage the value of in-house business, and establish State Bank Group as a leading player in the arena of General Insurance.
- The J.V. Agreement has been signed with Insurance Australia Group (IAG) on the 24th November 2008. We have incorporated a subsidiary under the name SBI General Insurance Co. Ltd. after receiving approval from the RBI. The Company is currently in the process of obtaining necessary regulatory approvals for commencement of Insurance business. We anticipate the start of the business for the new subsidiary in the third quarter of 2009-10.

#### **Private Equity**

- In view of the growing importance of private equity as an alternate asset class and the attractive returns it offers, the Bank has decided to enter this area and made substantial progress in this regard.
- An infrastructure fund has been set up in collaboration with Macquarie of Australia and IFC Washington, primarily aimed at investing in the Indian Infrastructure space. All necessary regulatory approvals have been received for

operationalisation of the fund. Over US \$ 1 billion has been mobilized from large and well known International Investors including the sponsors.

- The Bank is at an advanced stage in setting up a general purpose Private Equity Fund jointly with sovereign entities in Oman. Government of India has designated the Bank as the operationalising agency for a similar sovereign fund with Qatar. Several other Funds are at various stages of formation.
- As some of the funds initiated by the Bank are on the verge of operationalisation, the Bank is poised to play a leading role in this promising sector in the coming years.

#### **Payment Solutions Business Group**

##### **Mobile Banking Services**

Mobile Banking Services (MBS) offers scope for convenient, user friendly, secured and cost effective alternate channel of banking. MBS has been launched after RBI approval. Application based service using SMS and GPRS facilities has been made available to the customers. The service is also available over WAP for all mobiles having GPRS connectivity. MBS has been rolled out to all our non-rural branches. The product is comparable to the best available in the market.

##### **Real Time Gross Settlement (RTGS) & National Electronic Fund Transfer (NEFT)**

The Bank has been promoting Inter-Bank payments through RTGS and NEFT channels. Due to our sustained efforts, the Bank has witnessed substantial growth in both inward and outward RTGS/NEFT remittances. Both RTGS/NEFT remittance facilities are available through internet banking and NEFT is also available over Mobile Banking. We are making efforts for migration of more corporates / Govt. Departments to NEFT for effecting their payments to employees/vendors.

##### **Debit Cards**

The Bank has been encouraging the usage of debit cards at Point of Sale (POS) terminals. The daily average number of transactions at POS has increased manifold. Various offerings such as tie ups, loyalty programmes etc. are being developed to improve the Banks' footprint in this area.

##### **Consolidation of Payment Solution Business**

The Bank has embarked on an ambitious plan to restructure the organizational and, if necessary,



करने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना बनाने में लग गया है। परिचालनों की उत्पादकता बढ़ाने, दोहराव रोकने, संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने, लागत कम करने और विकास पर कम श्रम करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। उपर्युक्त अध्ययन शुरू करने तथा इस मामले में बैंक को परामर्श देने के लिए बैंक ने एक बाहरी परामर्शक नियुक्त किया है। यह कार्य, जब पूर्ण हो जाएगा, तब इससे काफी फायदे मिलने की आशा है।

## ज. अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह

### ज.1 विदेश स्थित कार्यालयों का परिचालन

इस वर्ष के अंत तक, बैंक के 92 विदेशी कार्यालय थे, जो 32 देशों और सभी समय क्षेत्रों में फैले हुए हैं। इन 92 कार्यालयों में 37 शाखाएं, 5 उप-कार्यालय, 8 प्रतिनिधि कार्यालय, अनुषंगियों की 35 शाखाएं, 3 मैनेज्ड एक्सचेंज कंपनियां और 4 संयुक्त उद्यम शामिल हैं। विदेशी कार्यालयों और अनुषंगियों का आस्तित्व 23.73 बिलियन अमरीकी डालर था और इस प्रकार इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। वर्ष के दौरान विदेशी कार्यालयों ने 151 मिलियन अमरीकी डालर का निवल लाभ कमाया।

### समुद्रपारीय विस्तार

अर्हताप्राप्त पूर्ण बैंक का लाइसेंस प्राप्त होने के बाद, वर्ष के दौरान बैंक ने सिंगापुर में खुदरा परिचालन शुरू किए हैं। खुदरा परिचालनों को बढ़ाने के लिए तीन नई शाखाएं और सात एटीएम स्थापित किए गए हैं। माले में एक कार्यालय और एक उप कार्यालय को नेटवर्क से जोड़ दिया गया है और चीन के टायनाजिन में एक प्रतिनिधि कार्यालय ने परिचालन शुरू कर दिया है। एसबीआइ कैलिफोर्निया, जो अमेरिका में बैंक की पूर्ण स्वामित्ववाली अनुषंगी है, ने बैंकर्सफील्ड में अपनी सातवीं शाखा की शुरुआत की है। पीटी बैंक इंडोमॉनेक्स लि. जो इंडोनेशिया में आंशिक स्वामित्ववाली अनुषंगी है, ने वर्ष के दौरान 2 शाखाएं खोली हैं। नेपाल एसबीआइ बैंक लि. जो एक संयुक्त उद्यम है, ने 16 नई शाखाएं खोली हैं। एसबीआइ (मारीशस) लि. के नाम से एक नई अनुषंगी बनाने के लिए मारीशस में बैंक की दो अनुषंगियां, अर्थात् इंडियन ओशियन इंटरनेशनल बैंक लि. और एसबीआइ इंटरनेशनल (मारीशस) लि. का वर्ष के दौरान विलय कर दिया गया।

### संसाधन प्रबंधन

वैश्विक वित्तीय बाजार में हलचल की स्थिति के बावजूद, बैंक के विदेशी कार्यालयों ने चलनिधि स्थिति को संतोषजनक बनाए रखा। वर्ष 2008-09 के दौरान, बैंक के एमटीएन कार्यक्रम और विभिन्न परिपक्वता वाले द्विपक्षीय ऋणों के अंतर्गत बैंक के विदेशी कार्यालयों द्वारा 686 मिलियन अमरीकी डालर (लगभग रु. 3480 करोड़) की राशि जुटाई गई।

### अनिवासी भारतीय व्यवसाय

वर्ष के दौरान, बैंक की अनिवासी भारतीय जमा राशियों में रु.8,948 करोड़ की वृद्धि हुई और वर्ष के अंत तक यह राशि रु. 48,950 करोड़ के स्तर तक पहुंच गई। इसी तरह, अनिवासी भारतीयों को दिए गए अग्रिमों की राशि में रु. 197 करोड़ की वृद्धि हुई और अब इनकी राशि रु.1,218 करोड़ है। छह नई एक्सचेंज कंपनियों के साथ गठजोड़ करने से, ऐसे गठजोड़ वाली कंपनियों की संख्या 20 हो गई। यूएसए के ग्राहकों के लिए शीघ्र धनप्रेषण के लिए 'रैपिड रैमिटेंस' नामक एक नया उत्पाद शुरू किया गया। बैंक के उत्पादों और अनिवासी भारतीयों को दी जानेवाली सेवाओं का प्रचार करने के लिए वर्ष के दौरान विभिन्न मीडिया में अनेक प्रचार अभियान शुरू किए गए।

### ज.2 देशीय परिचालन

#### निर्यात ऋण

31 मार्च 2009 को बैंक के बकाया निर्यात ऋणों की राशि रु. 26,732 करोड़ रही। निर्यात गतिविधियों वाली परियोजनाओं का वित्तपोषण करने में भारतीय स्टेट बैंक की सक्रिय सहभागिता के परिणामस्वरूप रु.12,460 करोड़ की कुल संविदा राशि वाले 22 परियोजना निर्यात प्रस्तावों में बैंक वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रहा है। इस वर्ष के अंत तक इन परियोजनाओं के प्रति बैंक की अपनी ऋण राशि रु.1,492 करोड़ रही।

#### मर्चेट बैंकिंग

अर्थव्यवस्था के धीमी होने और चलनिधि की कठिन स्थिति के बावजूद, वर्ष 2008 के लिए बैंक ने एशिया प्रशांत (जापान को छोड़कर परंतु आस्ट्रेलिया सहित) में समूहन ऋणों के लिए अधिर्देशित प्रमुख व्यवस्थापक और बुक रनर के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी। वर्ष 2008-09 में, कुल 8,297 मिलियन अमरीकी डालर के 15 समूहन सौदे और कुल 285 मिलियन अमरीकी डालर की 13 द्विपक्षीय सुविधाएं संपन्न हुईं। वर्ष के दौरान 2,269 मिलियन अमरीकी डालर की बैंक की सहभागिता के साथ कुल 7,300 मिलियन अमरीकी डालर के 22 विलय एवं अभिग्रहण (एमएण्डए) करार किए गए।

#### वैश्विक संपर्क सेवाएं (जीएलएस)

जीएलएस, जो बैंक का एक विशेष प्रकार का विभाग है, धनप्रेषणों को शीघ्रता से संपन्न करने की आवश्यकताओं को पूरा करता है। वर्ष 2008-09 में, जीएलएस ने देशीय शाखाओं की ओर से 139,788 निर्यात बिलों और कुल 17.45 बिलियन अमरीकी डालर के 193,286 विदेशी मुद्रा वाले चेकों का निपटान किया। इसके अतिरिक्त, इसने मध्य पूर्व, यूके और यूएसए के विभिन्न केन्द्रों से 2.39 बिलियन अमरीकी डालर की राशि के 2,196,447 आवक धनप्रेषण संबंधी लेनदेन का निपटान किया।

#### संपर्की संबंध

विभिन्न प्रकार के ग्राहकों को तार रहित सेवाएं प्रदान करने के लिए 527 प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय बैंकों के साथ संपर्की बैंकिंग करार किए गए। ये संपर्की बैंक 124 देशों में स्थित हैं। वित्तीय संदेशों का



IT set up for its various payment related businesses. This is being done to achieve efficiency in operations, avoid duplication, optimal utilization of resources, cost effectiveness and bringing about reduction in development efforts. The Bank has appointed an outside Consultant for undertaking the above study and to advise the Bank in the matter. The exercise, when completed, is expected to yield substantial benefits.

## H. INTERNATIONAL BANKING GROUP

### H.1 Operation of Foreign Offices

The Bank at the year end had a network of 92 overseas offices spread over 32 countries covering all time zones. The 92 offices comprised 37 Branches, 5 Sub Offices, 8 Representative Offices, 35 Branches of Subsidiaries, 3 Managed Exchange Companies and 4 Joint Ventures. The asset level of Foreign offices and subsidiaries was US\$ 23.73 billion registering a growth of 20% over last year. Foreign Offices earned a net profit of US \$ 151 million during the year.

#### Overseas Expansion

Consequent upon receipt of Qualifying Full Bank licence, the Bank started retail operations in Singapore during the year. Three new Branches and seven ATMs were set up to boost retail operations. One branch and a sub office were added to the network in Male and a Representative Office in Tianjin in China was operationalised. SBI California, the Bank's wholly owned subsidiary in USA, opened its seventh Branch at Bakersfield. PT Bank Indomonex, a partly owned subsidiary in Indonesia, opened 2 branches during the year. Nepal SBI Bank Ltd., a Joint Venture, opened 16 new branches. The Bank's two partly owned subsidiaries in Mauritius viz. Indian Ocean International Bank Ltd. and SBI International (Mauritius) Ltd. were merged during the year to create a new entity titled SBI (Mauritius) Ltd. Significant addition to the overseas network is planned for the current year.

#### Resource Management

Despite turmoil in global financial market conditions, the Bank's foreign offices maintained comfortable liquidity position. During the year 2008-09, US\$ 686 million (approximately Rs. 3,480 crores) was raised by the foreign offices under Bank's MTN Programme and bilateral loans of different maturities.

### NRI Business

The Bank's NRI deposits grew by Rs. 8,948 crores during the year to reach a level of Rs. 48,950 crores by the year end. Similarly, advances to NRIs increased by Rs. 197 crores and now stand at Rs. 1,218 crores. Six new tie-ups with Exchange Companies were concluded taking the total such tie-ups to 20. Rapid Remittance, a faster version of remittance product, was introduced for the USA customers. A number of campaigns across various media were undertaken during the year to publicize the Bank's products and services.

### H.2 DOMESTIC OPERATIONS

#### Export Credit

The Bank's outstanding export credit stood at Rs. 26,732 crores as on 31.03.2009. State Bank of India's active participation in financing project export activities resulted in the Bank supporting 22 project export proposals with contract value aggregating Rs. 12,460 crores. The Bank's own exposure as at the year end to these projects was Rs. 1,492 crores.

#### Merchant Banking

Despite the slowdown in the economy and tight liquidity conditions, the Bank retained its leadership as Mandated Lead Arranger and Book Runner for syndicated loans in Asia Pacific (excluding Japan but including Australia) for the year 2008. 15 syndication deals aggregating US\$ 8,297 million and 13 bilateral facilities aggregating US\$ 285 million were concluded in 2008-09. 22 Mergers and Acquisitions (M&A) deals aggregating US\$ 7,300 million with Bank's participation level of US\$ 2,269 million fructified during the year.

#### Global Link Services (GLS)

GLS, the Bank's specialized outfit, caters to speedier settlement of remittances. In the year 2008-09, GLS, on behalf of domestic branches, handled 139,788 export bills and 193,286 foreign currency cheques aggregating US\$ 17.45 billion. In addition, it handled 2,196,447 inward remittance transactions amounting to US\$ 2.39 billion from various centres in the Middle East, UK and USA.

#### Correspondent Relations

The Bank has entered into correspondent banking arrangement with 527 reputed international banks to extend seamless services to varied clients.